प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के कुलपति ने जी–20 की चीफ साइंस एडवाइजर्स वर्किंग ग्रुप में लिया हिस्सा

पन्तनगर। 30 मार्च 2023। देवभूमि उत्तराखण्ड के रामनगर (नैनीताल) में जी–20 के चीफ साइंस एडवाइजर्स राउंडटेबल (सीएसएआर) की बैठक जो कि 28 से 30 मार्च 2023 तक आयोजित की गयी, जिसमें विभिन्न देशों के कुल 51 प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया, के साथ भारत के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने इस बैठक में प्रतिभाग किया। वर्ष 1999 में जी–20 के गठन के लगभग 23 साल बाद प्रथम बार यह बैठक भारत में हो रही है और यह पूरे भारत देश, उत्तराखण्ड राज्य एवं पंतनगर विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। जी–20 की थीम ''वन अर्थ, वन फैमली, वन फ्यूचर'' भारतीय संस्कृति की "वसुधैव कुटुंबकम'' की सोच पर आधारित है। हमारे देश की प्राचीन और महान संस्कृति ने ही सर्वप्रथम "वसुधैव कुटुम्बकम" अर्थात् "समस्त विश्व ही एक परिवार है" की अवधारणा समस्त विश्व के समक्ष रखी थी। विभिन्न देशों से आये प्रतिनिधियों ने इस राउंडटेबल बैठक में अपने अनुभवों को साझा किया और बदलते वातावरण एवं इनकी चुनौतियों के मद्देनजर अनुभव की जा रही ज्वलंत समस्याओं के ऊपर मंथन किया, तथा इनके समाधान हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से चर्चा की। विज्ञान एवं तकनीकी का सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में अहम भूमिका रहती है और आशा की जाती है कि प्रतिभाग कर रहे अनुभवी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों की यह बैठक मुद्दों को सुलझाने में प्रभावी सिद्ध होगी। पूर्व वर्षों में कोरोना जैसी महामारी से पूरे विश्व को एक अविस्मरणीय दुःखद अनुभव रहा है और इस परिप्रेक्ष्य में 'वन हेल्थ' जो कि जी–20 सीएसएआर का एक एजेण्डा भी रहा है, और आशा की जाती है कि इस एजेण्डे के अंतर्गत भविष्य में आने वाली कोरोना जैसे संक्रमण से बचने के लिए जी–20 के सारे देश मिलकर एक प्रभावी पहल करेंगे।

जी–20 में प्रतिभाग कर रहे प्रतिनिधियों के साथ विश्वविद्यालय कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।